

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)****Term-End Examination****June, 2021****ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY PART – II***Time : 3 hours**Maximum Marks : 100*

Note : Answer **all five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. Write a short essay about the epistemology of Nyaya philosophy. 20

OR

Examine the metaphysics and concept of liberation in Viśiṣṭadvaita. 20

2. Discuss the origin and three orders of Sufism. 20

OR

Highlight the important aspects of the philosophy of Swami Vivekananda. 20

- 3.** Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :
- (a) Briefly explain the fundamental rights assured in the Indian Constitution. 10
- (b) What do you mean by Ashram movement ? Examine the fundamental principles and characteristics of an ashram. 10
- (c) Elaborate the epistemology of Advaita. 10
- (d) Examine the salient features of the philosophy of Amartya Sen. 10
- 4.** Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :
- (a) Give a brief account of the philosophy of Mahatma Gandhi. 5
- (b) Describe the importance of religion in the philosophy of Dr. S. Radhakrishnan. 5
- (c) What are the means of liberation according to Dvaita philosophy ? 5
- (d) Give a brief account of Arya Samaj. 5
- (e) Describe the philosophical foundations of Bhakti movement. 5
- (f) What is the concept of evolution according to Samkhya System ? 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :
- | | |
|--|---|
| (a) Abhava category of Vaisesika | 4 |
| (b) Proofs for the existence of prakriti according to Samkhya. | 4 |
| (c) Female bhaktas | 4 |
| (d) ISKCON movement | 4 |
| (e) Vedanta Sutras | 4 |
| (f) Kashmiri Saivism | 4 |
| (g) Citta according to Yoga Philosophy | 4 |
| (h) Secularism as guarantor of freedom and social order | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वार्ड.-005 : भारतीय दर्शन भाग - II

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए।

1. न्याय दर्शन की ज्ञानमीमांसा के बारे में संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

विशिष्टाद्वैत की तत्त्वमीमांसा एवं मोक्ष की अवधारणा का परीक्षण कीजिए। 20

2. सूफीवाद की उत्पत्ति एवं तीन सिलसिलों पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

स्वामी विवेकानन्द के दर्शन के मुख्य पक्षों पर प्रकाश डालिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :
- (क) भारतीय संविधान में प्रदत्त मूल अधिकारों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10
- (ख) आश्रम आन्दोलन से आप क्या समझते हैं? किसी एक आश्रम के मूल सिद्धान्तों एवं विशेषताओं का परीक्षण कीजिए। 10
- (ग) अद्वैत की ज्ञानमीमांसा को स्पष्ट कीजिए। 10
- (घ) अमर्त्य सेन के दर्शन की मुख्य विशेषताओं का परीक्षण कीजिए। 10
4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :
- (क) महात्मा गाँधी के दर्शन का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5
- (ख) डॉ. एस. राधाकृष्णन के दर्शन में धर्म के महत्व का वर्णन कीजिए। 5
- (ग) द्वैत दर्शन के अनुसार मोक्ष के साधन क्या हैं? 5
- (घ) आर्य समाज का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5
- (ङ) भक्ति आन्दोलन के दार्शनिक आधारों का वर्णन कीजिए। 5
- (च) सांख्य दर्शन के अनुसार उद्विकास का प्रत्यय क्या है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
- (क) वैशेषिक दर्शन का अभाव पदार्थ 4
- (ख) सांख्य के अनुसार प्रकृति के अस्तित्व में प्रमाण 4
- (ग) स्त्री भक्त 4
- (घ) ईस्कान आन्दोलन 4
- (ङ) वेदान्त सूत्र 4
- (च) काश्मीरी शैववाद 4
- (छ) योग दर्शन के अनुसार चित्त 4
- (ज) स्वतन्त्रता एवं सामाजिक व्यवस्था के अधिष्ठाता (गारंटीकर्ता) के रूप में धर्मनिरपेक्षवाद 4
-